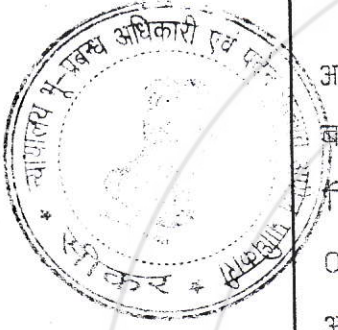


| दिनांक | आज्ञा पत्र | |
|----------|--|--|
| 5/2/2018 | <p>पत्रावली वास्ते आदेश प्रस्तुत</p> <p>संक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार हैं कि योग्य अदालत मातहत में एक दावा उनवानी हजारीलाल बनाम सोहनलाल मु०नं०47/2011 पेश किया गया जिसमें ग्राम होद की आराजी ख०न० 585 रकबा 0.76 हैक्टर का पेश किया। इस दावे में उक्त आराजी की खातेदारी अपीलान्ट्स प्रतिवादी सं०-8 व 9 के नाम से बताकर दावा पेश किया। अन्य ख०न० 586 से 588, 590 से 592, 602, 603, 608, 615, 585 कुल कित्ता-13 रकबा 4 28 हैक्टर तथा ख०नं० 570 से 579, 582, 584, 569 कुल कित्ता 14 रकबा 3 69 हैक्टर ग्राम होद में स्थित तथा ग्राम पदमपुरा में ख०न० 65 व 69 के बाबत उद्घोषणा का दावा पेश किया गया। जिसमें प्रतिवादीगण की तामिल हेतु नोटिस निकाले गये जिनमें अपीलान्ट्स के नोटिस पर झुठी तामिल कुनिन्दा की रिपोर्ट करवाकर पेश करवा दी तथा रेस्पोंडेन्ट का दावा बिना विधिक तामिल के ही करवा दिया। जिसका ज्ञान होने अपीलान्ट ने अदालत मातहत के एकपक्षीय आदेश दिनांक 3-3-2011 के विरुद्ध अदालत मातहत में प्रार्थना पत्र आदेश-9 नियम-13 सीपीसी का पेश किया। जिस पर अदालत मातहत ने बिना तथ्यों की जांच किये ही मेरा प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया जिसके विरुद्ध अपीलान्ट ने यह अपील निम्न आधारों पर प्रस्तुत की हैं।</p> <p>योग्य अदालत मातहत का निर्णय खिलाफ कानून एवं पत्रावली है। हजारीलाल रेस्पोंडेन्ट सं० 1 से 6 के पूर्वजों ने अदालत मातहत में दावा बिना किसी आधार के पेश किया है जिसमें ख०नं० 585 रकबा 0.75 हैक्टर की खातेदारी अपीलान्ट्स के नाम बताते हुये दावा पेश किया जिसमें अपीलान्ट</p> | |

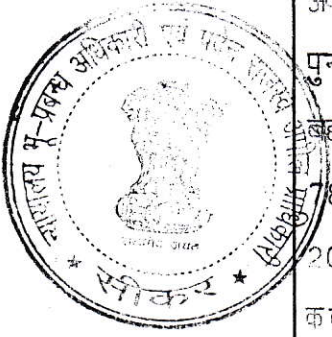




दस्तावेजी साक्ष्य का अवलोकन किये बिना ही पारित कर दावा डिक्ली कर दिया। जबकि उक्त विवादित आराजी पर अपीलान्ट्स के पूर्वजों का कब्जा पहले से ही लगातार रहा है। इस ओर कोई गोर न कर अपीलान्ट की तामिल फर्जी तौर पर तामिल कुनिन्दा से करवाई जाकर तामिल प्रकिया को सीपीसी के प्रावधानों के विपरित मानकर आदेश पारित किया है जबकि अपीलान्ट की तामिल फर्जी तौर पर की गई है। अपीलान्ट के घर पर कोई तामिल कुनिन्दा नोटिस लेकर नहीं गया तथा ना ही कोई नोटिस अपीलान्ट्स के घर पर चस्था किया गया है। नोटिस आदेश-5 नियम 18 से 20 सीपीसी के प्रावधानों के अनुसार नहीं करवाई गई। अदालत मातहत ने इस बिन्दू पर कोई गोर न कर तामिल मानी जाकर आदेश पारित किया है जबकि जब नोटिस चस्था कर तामिल करवाई जाती है तो उसके लिये न्यायालय से चस्थांदगी के आदेश के बाद ही तामिल चस्थांबगी से करवाई जाती है। अदालत मातहत ने इस ओर कोई गोर न कर अपना आदेश पारित किया है। अदालत मातहत ने अपीलान्ट्स की एकतरफा कार्यवाही कर उनके कब्जा काश्त एवं खातेदारी की आराजी को वादी के पक्ष में डिक्ली किये जाने का आदेश विधि के विपरित है। अतः अपीलान्ट की अपील स्वीकार कर प्रार्थना पत्र आदेश 9 नियम-13 सीपीसी स्वीकार कर अपीलान्ट को सुनवाई का अवसर दिया जाकर आदेश पक्षकारों की साक्ष्य लेकर पारित करने हेतु रिमाण्ड किया जावे।

अपील दर्ज रजिस्टर की गई। रेस्पोंडेन्ट को जरिये नोटिस तलब किया गया। अदालत मातहत की पत्रावली संग्रह जाकर शामिल पत्रावली की गई। बहस विद्वान अभिभाषकगणा सुनी गई।

विद्वान वकील अपीलान्ट ने बहस में अपील प्रीमों में दर्ज तथ्यों को दौहराते हुये कथन किया कि अपीलान्ट को सुनवाई का कोई अवसर नहीं दिया




अपीलान्ट की तामिल फर्जी तौर पर करवाई गई है ।
अपीलान्ट को सुनवाई का अवसर दिया जाकर निर्णय
पुनः करने हेतु रिमाण्ड किये जाने का निवेदन किया
बहस के समर्थन में नजीर डीएनजे॥राज०॥ 1998 पेज
78, आरआरटी 2013॥2॥ पेज 1211 डीएनजे॥राज०॥
2011॥3॥ पेज 1403 पेश कर अपील अपीलान्ट स्वीकार
कर अदालत मातहत का निर्णय निरस्त कर प्रकरण
अदालत मातहत को रिमाण्ड किया जावे कि वह
अपीलान्ट को सुनवाई एवं साक्ष्य प्रस्तुत करने का
समुचित अवसर देते हुये अपना निर्णय पुनः पारित
करें ।

विद्वान स्कील रेस्पोंडेन्ट ने बहस में अदालत मातहत
के निर्णय को उचित ठहराते हुये कथन किया कि योग्य
अदालत मातहत में अपीलान्ट को नोटिस विधिवत
तामिल हेतु भेजे गये। उन्होंने नोटिस लेने से इन्कार
किया है । इसके बाद नोटिस इनके खुले मकान पर
चस्था किया गया है । तामिल कुनिन्दा की रिपोर्ट
है जिस पर गवाहों के हस्ताक्षर है। यदि तामिल कुनिन्दा
ने नोटिस की तामिल फर्जी तौर पर करवाई है तो
उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाना चाहिये था । किन्तु
अपीलान्ट ने ऐसा नहीं किया । तामिल सम्यक रूप
से विधिवत हुई है । अदालत मातहत ने इनका प्रार्थना
पत्र सही एवं नियमानुसार खारिज किया है । जिसमें
किसी प्रकार की कोई कानूनी भूल नहीं है । अपील
खारिज की जावे ।

बहस बगौर समाप्त की गई । इस अपील में केवल
तामिल प्रक्रिया को देखा जाना है। इसमें राजस्व रेकार्ड
के अवलोकन की आवश्यकता नहीं है । अपीलान्ट सं०-
1 कमली एवं अपीलान्ट संख्या-2 श्रवणा के नोटिसों की
पुस्त पर स्पष्ट लिखा है कमली पत्नी कानारास
श्रवणा पुत्र कानारास घर पर मौजूद मिले नोटिस लेने
व हस्ताक्षर करने से मना किया। अतः नोटिस की एक
प्रति उसके उत्तर/दक्षिणा में खुले मकान पर चस्था



| दिनांक | आज्ञा पत्र | |
|--------|---|--|
| | <p>किया गया । जिस पर चस्पांदगी के गवाहों के हस्ताक्षर हैं । अपीलान्ट की तामिल सम्यक रूप से करवाई गई है । अपीलान्ट की तामिल फर्जी तौर पर करवाई गई है तो अपीलान्ट ने तामिल कुनिन्दा के खिलाफ कोई कार्यवाही की हो ऐसी भी कोई साक्ष्य नहीं है । अदालत मातहत ने अपीलान्ट का प्रार्थना पत्र तामिल सम्यक रूप से मानकर खारिज किया है जिसमें हम किसी प्रकार का हस्तक्षेप किया जाना उचित नहीं मानते हैं । अपीलान्ट ने जो नजीर पेशा की है उनके तथ्य भिन्न है जो प्रकरण पर चस्पा नहीं है ।</p> <p>अतः अपील अपीलान्ट साबित नहीं होने से अपील खारिज की जाती है तथा विद्वान सहायक कोक्टर खण्डेला का निर्णय दिनांक 7-6-2013 यथावत रखा जाता है ।</p> <p>निर्णय सुनाया गया ।</p> <p style="text-align: right;"> भू-प्रबन्ध अधिकारी पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी सीकर</p> | |